समर एक्शन प्लानः

गर्मियों के लिए बीएसईएस पूरी तरह तैयार

- बिजली खरीद संबंधी समझौतों की प्रक्रिया पूरी
- पावर बैंकिंग से भी मिलेगी बिजली
- कॉल सेंटर का आकार बड़ा होगा

नई दिल्लीः 2 अप्रैल, 2015। इस साल गर्मियों में, दिल्ली में बिजली की पीक डिमांड 6500 मेगावॉट पहुंचने का अनुमान है। पिछले साल यह 5925 मेगावॉट थी। पिछले साल देश के किसी भी महानगर के मुकाबले दिल्ली में बिजली की डिमांड काफी ज्यादा रही।

पिछली गर्मियों में बीआरपीएल इलाके में बिजली की पीक डिमांड 2550 मेगावॉट थी, जो इस साल यह बढ़कर 2630 मेगावॉट तक जा सकती है। वहीं, बीवाईपीएल इलाके में पिछले साल बिजली की पीक डिमांग थी 1496 मेगावॉट, जो इन गर्मियों में बढ़कर 1520 मेगावॉट के आंकड़े को छू सकती है।

बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने आने वाली गर्मियों के दौरान बिजली की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए *समर एक्शन प्लान* बना लिया है, और पूरी तैयारी कर ली है। बिजली खरीद समझौतों की पक्रिया पूरी कर, बिजली के पर्याप्त इंतजाम किए जा चुके हैं, ताकि बीएसईएस के 34 लाख ग्राहकों को बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। विभिन्न स्रोतों से बिजली की व्यवस्था की गई है। इनमें, पावर प्लांटों से लॉन्ग टर्म वाले पावर परचेज अग्रीमेंट, और कई राज्यों से पावर बैंकिंग भी शामिल हैं।

गर्मियों में पावर बैंकिंग के माध्यम से बीआरपीएल को 75 से 250 मेगावॉट तक बिजली उपलब्ध होगी। वहीं, बीवाईपीएल को पावर बैंकिंग से 100 से 150 मेगावॉट तक बिजली मिलेगी। किसी विशेष पावर प्लांट में बिजली का उत्पादन कम होने या बंद होने की स्थिति में बिजली कंपनियां शॉर्ट टर्म आधार पर पावर एक्सचेंज से बिजली खरीदेंगी।

बिजली की पर्याप्त व्यवस्था करने के अलावा, बीएसईएस ने अपने उपभोक्ताओं को विश्वसनीय बिजली आपूर्ति मुहैया कराने के लिए, अपने बिजली वितरण सिस्टम को सशक्त बनाया है। इसके अतिरिक्त, ज्यादातर ग्रिडों, ट्रांसफॉर्मरों व अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों की सर्विर्सिंग व मेंटेनेंस/ रखरखाव का काम भी पूरा हो चुका है। बाकी बचे उपकरणों की सर्विसिंग व मेंटेनेंस का काम भी गर्मियां शुरू होने के पहले ही पूरा कर लिया जाएगा।

फील्ड में अतिरिक्त वर्कफोर्स की तैनाती की गई है और सब–स्टेशनों की लोड बैलेंसिंग की जा रही है। बिजली आपूर्ति संबंधी शिकायतों के निपटारे व उनकी मॉनिटरिंग के लिए पूर्ण समर्पित टीमों का गठन किया गया है। चौबीसों घंटे काम करने वाले कॉल सेंटर का आकार भी बड़ा किया जा रहा है।

बीएसईएस दिल्ली ट्रांसको के साथ मिलकर काम कर रही है, ताकि गर्मियों में बिजली के बढ़े हुए लोड को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए पूरे ट्रांसमिशन व डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम को पूरी तरह तैयार किया जा सके। ट्रांसमिशन टावरों की वास्तविक स्थिति का विश्लेषण किया गया है, और उसके बाद उनमें जरूरी सुधार भी किए गए हैं। गौरतलब है कि पिछले साल, पावर कट के ज्यादातर मामले तूफान की वजह से हुए थे, क्योंकि तूफान के कारण कुछ बड़े ट्रांसमिशन टावर उखड़ गए थे।

बिजली के तारों के कट जाने से भी बिजली गुल होती है। इसलिए, बीएसईएस सभी सिविक एजेंसियों जैसे दिल्ली मेट्रो, दिल्ली जल बोर्ड, पीडब्ल्यूडी आदि से अपील करती है कि किसी भी तरह की खुदाई करने से पहले वे संबंधित बिजली कंपनी से संपर्क करें/ उनकी अनुमति लें। इससे एक ओर जहां बिजली कंपनियों के कीमती केबल अंडरग्राउंड क्षतिग्रस्त होने से बचेंगे, वहीं लोगों को पावर कट भी नहीं झेलना पड़ेगा।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीआरपीएल और बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

.....